तत्काल प्रकाशन के लिये

प्रेस विज्ञप्ति

खाद्य सुरक्षा की जानकारी पाईये एफएसएसएआई के एक्सपीरियंस जोन में

नई दिल्ली, मंगलवार 16 मई, 2018 : खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आज अपने तरह के अनूठे अनुभव क्षेत्र (एक्सपिरियंस जोन) का उद्घाटन किया जो कि भारत के खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिक तंत्र की जानकारी प्रदान करता है। इसमें आभासी और संवर्धित वास्तविकता जैसी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके, पूर्व के केवल मिलावट को रोकने के खाद्य सुरक्षा विनियमन की संकीर्णता से हटकर अधिक समग्र दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सभी 1.32 अरब नागरिकों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ भोजन सुनिश्चित करने पर केन्द्रित किया गया है। यह चहुंमुखी अनुभव क्षेत्र दर्शाता है कि कैसे एफएसएसएआई सिर्फ एक 'प्रवर्तक' न बनकर एक 'सहायक' की भूमिका का निर्वाहन करता है। इंटरैक्टिव प्रदर्शनों के माध्यम से, आगंतुक खाद्य श्रृंखला की जटिलता का अनुभव करेंगे, प्रणाली और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे और जानेंगे कि कैसे एफएसएसएआई नियामक, खाद्य व्यापारों और नागरिकों के बीच सहभागिता का विकास कर देश की खाद्य सुरक्षा की आवश्यकताओं को पूरी कर रहा है। यह उपभोक्ताओं के मन में भारत में खाद्य सुरक्षा के मामले में एफएसएसएआई के लिये विश्वास पैदा करता है।

इस एक्सपीरियंस जोन को टाटा ट्रस्ट के साथ मिलकर बनाया गया है, और यह इस बात का सबूत है कि खाद्य सुरक्षा सिर्फ सरकारी नियामक की ही नहीं बल्कि सभी हितधारकों की साझा जिम्मेदारी है। यह आगुंतकों को एफएसएसएआई की प्रणालियों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है जिनमें एफएसएसएआई का लोगो हमेशा विद्यमान रहता है, यह लोगो अब प्रत्येक घर में विश्वास का एक प्रतीक बन गया है। यह एक्सपीरियंस जोन एफएसएसएआई के मुख्यालय, एफडीए भवन, नई दिल्ली के पांचवीं मंजिल पर स्थित है। यह हम सभी को यह संदेश देता है कि कैसे एक जिम्मेदार नियामक, जिम्मेदार खाद्य व्यापारकर्ता और जिम्मेदार नागरिक मिलकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

एक्सपिरियंस जोन में तीन प्रदर्शनियों के माध्यम से एफएसएसएआई की सोच और काम के बारे में समग्र दृष्टिकोण की जानकारी आगुतंकों को प्रदान की जाती है। एफएसएसएआई की एसएनएफ पहल के शुभंकर मिस और मास्टर सेहत, चलचित्र क्षेत्र में आपका स्वागत करते हैं। बिग पिक्चर जोन में कई डिजिटल डिस्प्ले पैनल हैं जो पूरे देश में एफएसएसएआई की उपस्थिति और खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिक तंत्र के मजबूत नेटवर्क के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। ट्रस्ट जोन सर्किल 'खाद्य सुरक्षा' में तीनों प्रमुख सहभागियों नियामक, खाद्य व्यवसायी और नागरिक की अपनी अलग भूमिका पर प्रकाश डालता है।

एफएसएसएआई का मानना है कि प्रत्येक हितधारक महत्वपूर्ण है, प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में निभानी चाहिए और नागरिकों द्वारा भाग लेने पर नियामक द्वारा किए गए हर छोटे प्रयास को बढ़ावा मिलता है। इस अनुभव क्षेत्र के माध्यम से, एफएसएसएआई नागरिकों के साथ अपने प्रयासों एवं पहलों को साझा करता है, और उन्हें सही खाने, सुरक्षित खाने और स्वस्थ खाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है! इस एक्सपिरियसं जोन से संबंधित एक वेब पोर्टल भी विकसित किया गया है जिसकी

मदद से नागरिक एक्सपिरियसं जोन की एक डिजिटल यात्रा का आनन्द ले सकेंगे और इस के लिए अपनी यात्रा को पहले से आरक्षित करवा सकेंगे। एक्सपिरियसं जोन हर सप्ताह शुक्रवार को 3 बजे से शाम 5 बजे के बीच जनता के लिए खुला रहेगा। इसके अलावा, एफएसएसएआई का मानना है कि कम उम्र में बच्चों को खाद्य सुरक्षा और पोषण का महत्व सिखाया जाना चाहिए और इसलिए, एक्सपीरियंस जोन कक्षा 8 और उस से बडे बच्चों के लिए प्रत्येक बुधवार को 10 बजे से 12 बजे के बीच खुला रहेगा। अनुभव आधारित शिक्षा की इस विधि में एफएसएसएआई टीम के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा।

आज नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमिताभ कांत ने औपचारिक रूप से एक्सपिरियंस जोन का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वीकार किया कि एफएसएसएआई मूल रूप से विनियमन से विकास के परिप्रेक्ष्य में बदलाव के साथ एक नये युग, नवाचार और सक्रिय सहायक संगठन में परिवर्तित हो चुका है। उन्होंने आगे बताया कि एफएसएसएआई आज कई साझेदारों के साथ एक मजबूत नेटवर्क संगठन बन चुका है और उन्होंने इस अवसर पर अनुभव क्षेत्र के लिए टाटा ट्रस्ट और एफएसएसएआई को बधाई दी। उन्होंने जोर दिया कि खाद्य विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है और एफएसएसएआई नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने में अपनी महत्पूर्ण भूमिका का निर्वाहन जिम्मेवारी के साथ सम्पन्न करे।

इस अवसर पर श्री हरीश कृष्णास्वामी, मुख्य प्रचालन अधिकारी, टाटा ट्रस्ट ने एक्सपिरियंस जोन को बनाने वाले कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि यह आप लोगों की मेहनत का ही परिणाम है कि परिकल्पना के अभिनव अनुभव क्षेत्र के निर्माण को सक्षम बनाया जा सका। वह इस अद्वितीय प्रौद्योगिकी के द्वारा संचालित पारिस्थितिक तंत्र को जीवन्त करने के लिये खाद्य नियामक के साथ सहयोग करने से उत्साहित थे। एफएसएसएआई का मानना है कि भारत की खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिक तंत्र की इस यात्रा से देश के नागरिकों को सही खाएं, सुरक्षित खाएं और स्वस्थ खाएं के बारे में जागरुक किया जा सकेगा।

मीडिया प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें:
रुचिका शर्मा
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण
ईमेल: *sharmaruchika.21@gmail.com*